TRENDS IN AGRICULTURE SCIENCE
Popular Article
Vol.3 Issue 01 January 2024, Page: 1295-1298

भारत में बटेर का पालन

डॉ. मुकनी कुमारी, डॉ. करतार सिंह, डॉ. दिलीप सिंह मीणा और डॉ. अविनाश कुमार चौहान
राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
https://doi.org/10.5281/zenodo.10580697

जापानी बटेर एक छोटा, प्रवासी, गैलिनियस, जमीन पर रहने वाला खेल पक्षी है जो तीतर परिवार से संबंधित है। उन्हें पहली बार 1595 में जापान में पालतू बनाया गया था। भारत में बटेर की दो प्रजातियां हैं; काली छाती वाली बटेर जंगल में पाई जाती है (कॉटर्निक्स कोरोमैंडेलिका) और भूरे रंग की जापानी बटेर (कॉटर्निक्स कॉटर्निक्स जैपोनिका)। वर्ष 1974 के दौरान, सेंट्रल एवियन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने भारत में विविधीकरण के लिए डेविस, कैलिफोर्निया से जापानी बटेर का आयात किया। तब से अनुसंधान के माध्यम से उनके आर्थिक लक्षणों और पशुपालन प्रथाओं में बहुत सुधार हुआ है। भारत में वाणिज्यिक बटेर का पालन अच्छी आय और रोजगार के अवसर का एक बड़ा स्रोत हो सकता है। आर्थिक महत्व के साथ-साथ बटेर की खेती भी बहुत आनंददायक और मनोरंजक है। बटेर बहुत छोटे आकार के कुक्कुट पक्षी होते हैं और उनकी पालन-पोषण प्रणाली बहुत आसान और सरल होती है। बटेर मांस और अंडे दोनों के व्यावसायिक उत्पादन के लिए बहुत उपयुक्त हैं। बटेर लगभग सभी प्रकार की जलवायु और पर्यावरण के साथ खुद को अपना सकते हैं और भारतीय जलवायु व्यावसायिक रूप से बटेर पालने के लिए बहुत उपयुक्त है। वर्तमान में बटेर देश में मुर्गियों और बत्तखों के बाद संख्या में तीसरी सबसे बड़ी एवियन प्रजाति बन गए हैं।

भारत में बटेर पालन के लाभ:

- भारत में वाणिज्यिक बटेर खेती शुरू करने के मुख्य लाभ नीचे सूचीबद्ध हैं।
- बटेर छोटे आकार के कुक्कुट पक्षी होते हैं और उन्हें न्यूनतम स्थान की आवश्यकता होती है।
- आवश्यक प्रारंभिक निवेश तुलनात्मक रूप से बहुत कम है।
- बटेर किसी भी अन्य कुक्कुट पक्षियों की तुलना में तुलनात्मक रूप से मजबूत होते हैं।
- बटेर 5 सप्ताह की आयु के भीतर विपणन भार तक पहुँच जाते हैं।
- वे पहले यौन परिपक्वता प्राप्त करते हैं। अंडे देने वाली बटेर छह से सात सप्ताह की उम्र में अंडे देना शुरू कर देते हैं।
- उनके अंडे देने की दर उच्च होती है। एक अंडे देने वाली बटेर प्रति वर्ष लगभग 280 अंडे दे सकता है।
- बटेर का मांस चिकन मांस की तुलना में बहुत स्वादिष्ट और वसा में कम होता है। यह मांस बच्चों में शरीर और मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- बटेर का अंडा आकार में छोटा (10 ग्राम) होता है लेकिन इसमें चिकन अंडे की तरह लगभग समान पोषक तत्व होते हैं।
- बटेर का मांस और अंडे बच्चों, रोगियों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए बहुत उपयुक्त आहार हैं।
- बटेरों को खिलाने और अन्य खर्चे कम होते हैं और उनके पास फ़ीड (अनाज) को मांस या अंडे में परिवर्तित करने की बहुत अच्छी दक्षता होती है।
- हम अपने अन्य पक्षियों और जानवरों के साथ कुछ बटेर आसानी से पाल सकते हैं।
- बटेर व्यवसाय बेरोजगार युवाओं और महिलाओं के लिए आय और रोजगार का एक बड़ा स्रोत हो सकता है।

भारत में विकसित पालतू बटेरों की नस्लें/किस्में-

क्रमांक	स्ट्रेन का नाम	द्वारा विकसित	वार्षिक अंडा उत्पादन (52 सप्ताह)	अंडे का वजन (ग्राम)	5वें सप्ताह में शरीर का वजन
1	CARI Uttam	CARI, Izatnagar	260	14	250 (ग्रम)
2	CARI Ujjawal	CARI, Izatnagar	240	12	180 (ग्राम)
3	CARI Sweta	CARI, Izatnagar	215	10	170 (ग्राम)
4	CARI Pearl	CARI, Izatnagar	305	09	130 (ग्राम)
5	CARI Brown	CARI, Izatnagar	210	11	185 (ग्राम)
6	CARI Sunheri	CARI, Izatnagar	200	12	185 (ग्राम)
7	Nandanam Quail	TANUVAS Nandanam	-	-	160 (ग्राम)

बटेर पालन के लिए लाइसेंस की आवश्यकता-

एक संरक्षित प्रजाति के पक्षी की जंगली किस्म को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक जापानी बटेर को बेचने के लिए एक सरकारी लाइसेंस की आवश्यकता होती है। पर्यावरण और वन मंत्रालय ने पशुपालन विभाग को ऐसा लाइसेंस देने का अधिकार दिया है। उद्यमी लाइसेंस जारी करने के लिए केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन, मुंबई से भी संपर्क कर सकते हैं।

पालन प्रणाली:

बटेर को डीप लिटर सिस्टम और केज (बैटरी) सिस्टम दोनों में पाला जा सकता है। फ्लोर टाइप में 0.2 वर्गफीट/वयस्क बटेर तथा केज (बैटरी) प्रणाली में 0.16 वर्गफीट/वयस्क के लिए आवश्यक स्थान है।

बटेर फार्म वन्यजीव और वन क्षेत्र से कम से कम 2.5-3.0 किमी की दूरी पर स्थित होना चाहिए जहां खेत और वन्यजीव/ वन अधिसूचित क्षेत्र के बीच मानव निवास है।

अ) <u>डीप लिटर सिस्टम</u>: एक वर्ग फुट क्षेत्र में छह बटेरों को पाला जा सकता है। 2 सप्ताह के बाद बटेरों को पिंजरों में पाला जा सकता है। यह अच्छा शरीर-वजन हासिल करने में मदद करेगा क्योंकि बटेरों के अनावश्यक भटकने से बचा जाता है।

ब) <u>बैटरी सिस्टम</u>: प्रत्येक इकाई की लंबाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 1 फुट है और जगह को बचाने के लिए 6 उप इकाइयों में विभाजित और 6 स्तरों तक की व्यवस्था की गई है। कूड़े को साफ करने के लिए पिंजरे के नीचे हटाने योग्य लकड़ी की प्लेटों के साथ लगाया जाता है। पिंजरों के सामने लंबे संकरे फीडर के माध्यम से फ़ीड (अनाज) रखा जाता है, तथा पीने के बरतन में पानी भर कर पिंजरों के पीछे रखा जाता है। वाणिज्यिक अंडे की परतें आमतौर पर प्रति पिंजरे 10-12 पक्षियों की कॉलोनियों में रखी जाती हैं। प्रजनन उद्देश्यों के लिए, पिंजरों में 1 से 3 मादाओं के अनुपात में नर बटेरों को रखा जाता है।

बटेरों का प्रजनन-

- बटेर के युवा चूजों को पंख लगने तक गर्म रखने के लिए अतिरिक्त गर्मी की आवश्यकता होती है।
- सफल प्रबंधन के लिए युवा पक्षियों के लिए उचित ब्रूडिंग तापमान बहुत महत्वपूर्ण है। बटेरों में 0-3 सप्ताह की अवधि को ब्रूडिंग पीरियड कहा जाता है। हालांकि सर्दियों में ब्रूडिंग अवधि 4 वें सप्ताह तक बढ़ जाती है।
- बटेर के बच्चों को उनके जीवन के पहले सप्ताह में अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। ब्रूडिंग अवधि के दौरान औसत मृत्यु दर 6-10 प्रतिशत है।
- एक दिन पुराने बटेरों का ब्रूडिंग इंफ्रा रेड बल्ब या गैस ब्रूडर और पारंपरिक ब्रूडिंग सिस्टम का उपयोग करके किया जा सकता है।

Published: 28 Jan. 2024
ISSN: 2583-7850

- शुरुआती तापमान 100^0 F है और उसके बाद 3 सप्ताह की उम्र तक हर 4 दिनों में 5^0 F की कमी होती है।
- पानी हर हाल में देना चाहिए। पहले 7 दिनों के लिए पानी में कंकड़ डालकर चूजों को डूबने से रोका जाता है।
- फ्लैट पेपर प्लेट्स को पहले कुछ दिनों के लिए फीडर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। बाद में, एक 10 सेमी x 30 सेमी x 3 सेमी जस्ती फर्श फीडर 1.2 सेमी x 1.2 सेमी वेल्डेड तार ग्रिल के साथ फ़ीड अपव्यय को रोकने के लिए उद्घाटन के ऊपर रखा गया है।

बटेर की पोषक आवश्यकताएँ-

आयु (सप्ताह)	स्टार्टर (0-3 सप्ताह)	उत्पादक (4-5 सप्ताह)	लेयर/ब्रीडर
एमई (के.कैल/किग्रा)	2800	2800	2600
प्रोटीन %	27	24	22
कैल्शियम %	0.8	0.8	3.0
फास्फोरस	0.3	0.3	0.45

अंडा उत्पादन-

- बटेर 6-7 सप्ताह की उम्र में अंडे देना शुरू कर देता है और लगभग 9-10 सप्ताह तक अधिकतम उत्पादन तक पहुंच जाता है।
- अनुकूल वातावरण में, बटेर प्रति वर्ष औसतन 280-290 अंडे देती हैं।
- अधिकतम उत्पादन के लिए बटेरों को लगभग 16-18 घंटे प्रकाश की आवश्यकता होती है।
- बटेर के अंडे बहुरंगी होते हैं और काले, भूरे और नीले रंग के साथ भारी धब्बेदार होते हैं।
- बटेर के अंडे का औसत वजन लगभग 10 ग्राम होता है जो बटेर के शरीर के वजन का लगभग 8 प्रतिशत होता है।
- बटेर के अंडे की ऊष्मायन अवधि 18 दिन है।

नर और मादा की पहचान-

- युवा बटेर भूरे रंग की धारियों के साथ पीले रंग के होते हैं और आकार को छोड़कर कुछ हद तक टर्की के मुर्गे के समान होते हैं।
- नवजात चूजों का वजन लगभग 6 से 7 ग्राम होता है, लेकिन पहले कुछ दिनों में वे तेजी से बढ़ते हैं।
- तीन दिनों के बाद उड़ान के पंख दिखाई देने लगते हैं और पक्षी लगभग चार सप्ताह की उम्र में पूरी तरह से पंख लगा लेते हैं।
- नर बटेर की छाती आमतौर पर संकीर्ण होती है, और समान रूप से भूरे और सफेद पंखों से ढका होता है। लेकिन मादा बटेर की छाती चोडी होती है जो काले डॉट्स वाले भूरे पंखों से ढका होता है।
- वयस्क मादा (120-160 ग्राम) बटेर नर (100-140 ग्राम) से थोड़ी भारी होती है।

बटेर अंडे और मांस का महत्व-

- परिपक्व बटेर की उचित किफायती उम्र लगभग 5 सप्ताह है जब उनका वजन लगभग 200 ग्राम होता है और फ़ीड दक्षता 3.0 होती है।
- ड्रेसड कारकास की उपज लगभग 70 प्रतिशत है। कुल कारकास में छाती और जांघ का योगदान लगभग 68 प्रतिशत है।
- बटेर का मांस कोमल, स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। छाती और पैर स्वादिष्ट माने जाते हैं।
- बटेर का मांस उच्च गुणवत्ता का होता है। चूंकि इसमें संतुलित प्रोटीन और कम कार्बोहाइड्रेट वाले आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं और खनिज सामग्री में 0.59 मिलीग्राम कैल्शियम, 220 मिलीग्राम फॉस्फोरस और 3.8 मिलीग्राम आयरन होता है। विटामिन सामग्री 300 आई.यू. विटामिन ए, 0.12 मिलीग्राम विटामिन बी1, 0.85 मिलीग्राम विटामिन बी2 और 0.10 मिलीग्राम निकोटिनिक एसिड।
- फॉस्फोलिपिड्स के साथ कम वसा सामग्री (कम कैलोरी मान)। कोलेस्ट्रॉल का डर नहीं।
- बटेर पक्षियों का मांस और अंडे स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं अत: इसे इसकी अधिक माँग रहती है।

Published: 28 Jan. 2024
ISSN: 2583-7850

- बटेर (मक्खन) के मांस में कम गर्मी पैदा करने की क्षमता होती है जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद है।
- बटेर का मांस बच्चों में शरीर और मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देता है।
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सर्वोत्तम संतुलित भोजन।
- केरल राज्य में आज भी बटेर के मांस का उपयोग अस्थमा के रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है।
- बटेर अंडे अच्छे भुख बढ़ाने वाले (ऐपेटाइज़र) होते हैं और चिकन अंडे के स्वाद के समान होते हैं। तली हुई बटेर, भुनी हुई बटेर, मैरीनेट की हुई बटेर और बटेर का अचार कुछ सामान्य व्यंजन हैं।

बटेर के मास और अंडे में मिलने वाले पोषक तत्व-

क्रमांक	संरचना	बटेर का मांस	बटेर अंडा
1	आर्द्रता	73.93%	74.00%
2	प्रोटीन	20.54%	13.10%
3	वसा	3.85%	11.00%
4	कार्बोहाइड्रेट	0.56%	1.00%
5	खनिज पदार्थ	1.12%	1.00%

Published: 28 Jan. 2024
ISSN: 2583-7850